BACHELOR OF ARTS EXAMINATION, 2017

(3rd Year, 5th Semester)

SANSKRIT (Honours)

Course : XII

[Elements of Indian Philosophy - A]

Time : Two Hours Full Marks : 30

The figures in the margin indicate full marks.

1. ''तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'' इति मन्त्रांशः व्या ख्यायताम्। 6

अथवा,

ईशोपनिषदनुसारं ब्रह्मणः स्वरूपं च वि व्रियताम्।

2. ''अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते'' इति शांकरभाष्यानुसारं देवभाषया व्याख्येयम्। (देवनागरीलिपिमाश्रित्य)। 4

3. बृहदारण्यकोपनिषदो मैत्रेयीब्राह्मणे यद् ब्रह्मतत्त्वं प्रकाशितं तद् वर्ण्यताम। 6

4. कस्य वेदस्य कस्मिन् चांशे बृहदारण्यकोपनिषदोऽवस्थितिरिति देवगिरा **देवनागरीलिप्या** च लिख्यताम्। 2

5. याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी-संवादः किमर्थमेव द्विरस्ति बृहदारण्यकोपनिषदि? 3

[*Turn over*]

6. केनोपनिषद उमा–हैमवती–आख्यायिकाया: तात्पर्यं लेखनीयम्। 6

7. इन्द्र किमर्थमेव देवेषु श्रेष्ठ इति **देवभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्यो**–ल्लेख्यम्। 1

8. किमर्थमेव ब्रह्म यक्षरूपेणाविर्भूतम्। 2